



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्रतिपक्ष से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 14] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 19, 1977/पौष 29, 1898

No. 14] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 19 1977 PAUSA 29, 1898

इस भाग में भिन्न नुस संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 19th January 1977

SUBJECT.—*Information/Procedure regarding Exports to Yugoslavia under Limited Rupee Payment Arrangement.*

No. 4-ETC(PN)/77.—Further to Public Notices No 44-ETC(PN)/75, dated the 15th October 1975, No 6-ETC(PN)/76, dated the 27th February 1976, No. 16-ETC(PN)/76, dated 28th May 1976, and No. 23-ETC(PN)/76, dated 13th August 1976, it has been decided, in consultation with the Government of Yugoslavia, that further exports of following products, to the extent indicated against each, be allowed under Limited Rupee Payment Arrangement

	Rs. in lakhs
1 Textiles	75
Pig Iron	110
Total	185

2 In order to regulate such exports to Yugoslavia under the limited Rupee Payment Arrangements, the following procedure has been prescribed:—

- (1) Such exporters who wish to export the goods mentioned in para 1 above under the Rupee Payment Arrangement are required to have their contracts registered with immediate effect with the concerned Agencies indicated below—
 - (a) SAIL International Hindustan Times House, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi
 - (b) Cotton Textile, E. P. Council, Bombay.
 - (c) Silk & Rayon Textile, E. P. Council, Bombay.
 - (d) Central Silk Board, Bombay

Only such exporters need apply who have a contract with an importer in Yugoslavia possessing a valid letter of authorisation issued by the Yugoslav Authority. While doing so, the exporters are required to furnish to the agency concerned, in duplicate the following information in addition to the copy of the contract(s) —

- (a) Name and address of the Yugoslav importer having valid letter of authorisation issued by the Yugoslav authorities;
- (b) Contract number and date;
- (c) Delivery schedule;
- (d) Indian port from which the shipment is to be effected for export;
- (e) Commodity and value thereof involved;
- (f) Name of the Yugoslav Port to which the shipment is to be booked for exports.
- (ii) The Agency concerned will register the contracts on first-come, first-served basis and issue necessary advice to the exporters and the Port Licensing Authority (in case of items which are under Export Control) and to the Customs Authorities (in respect of items which are not under Export Control and also those which are included under O.G.L. 3).
- (iii) The exporter will submit the shipping bill in respect of controlled items (except those under O.G.L. 3) for export of Yugoslavia in Rupees to the Export Control Authorities and the ETC authorities shall allow export of only controlled items by endorsement on shipping bills in accordance with Export Policy for that item in force on the date of passing of the shipping bill(s). Shipment in respect of items which are not under Export Control and those which are under O.G.L. 3 shall be allowed direct by the Customs Authorities in the normal manner.
- (iv) The particulars of shipment, value contract number, name of the exporter will be transmitted by the Agency concerned once a fortnight, i.e. by the 15th and the 30th of each month to the Ministry of Commerce (Shri R. M. Abhyankar, Under Secretary), New Delhi by name.

3. Exporters are advised to note that all contracts for export in Rupees to Yugoslavia under this arrangement must have the prior approval of the concerned Agency by way of registration of their contracts.

4. Exporters are further advised to inform the concerned agency as soon as the shipment from India takes place.

5. Ceilings for the different items will be watched by the concerned agencies indicated above and they will stop registering the contracts as soon as ceilings are reached.

A. S. GILL,
Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1977

विषय. --सोमिन भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए निर्यातों के संबंध में जानकारी/क्रियाविधि।

सं० 4 ई०टी०सी०(पी०एन०)/77.—सार्वजनिक सूचना सं० 44-ईटीसी (पीएन)/75 दिनांक 15 अक्टूबर, 1975 सं० 6-ईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 27 फरवरी, 1976, सं० 16-ईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 28 मई, 1976 और सं० 23-ईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 13 अगस्त, 1976 में आगे यूगोस्लाविया की सरकार के साथ परामर्श करने पर यह निश्चय किया गया है कि निम्नलिखित उत्पादों के आगे के लिए निर्यातों के लिए प्रत्येक के सामने संकेतित सीमा तक सीमित पथा भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत स्वीकृति दे दी जाए :—

	रुपए लाख में
1. वस्त्र	75
2. बलवा खोहा	110
कुल	185

2 सीमित पथा भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए ऐसे निर्यातों का नियमन करने हेतु निम्नलिखित क्रियाविधि निर्धारित की गई है :—

(1) ऐसे निर्यातकों जो अपना भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत उपर्युक्त कड़िका 1 में उल्लिखित माल का निर्यात करना चाहते हैं उन्हें चाहिए कि वे तत्काल ही अपनी सविदाएं नीचे संकेतित सम्बद्ध अधिकरणों के पास पंजीकृत करा दें :—

(क) मेल अन्तर्राष्ट्रीय, हिन्दुस्तान टाइम्स हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(ख) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद, बम्बई।

(ग) मिल्क तथा रेयान वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद, बम्बई।

(घ) केन्द्रीय मिल्क बोर्ड, बम्बई।

केवल उन निर्यातकों को आवेदन करना चाहिए जिनके पास यूगोस्लाविया के उस आयातक के साथ की गई सविदा है जिनके पास जारी किया गया वैध लाइसेंस है। ऐसा करते समय निर्यातकों को चाहिए कि वे सम्बद्ध अधिकरण को सविदा (ओ) की प्रति के अतिरिक्त निम्नलिखित जानकारी की दो प्रतियां भेजें :—

(क) उस यूगोस्लाव आयातक का नाम और पता जिसके पास यूगोस्लाव अधिकारियों द्वारा जारी किया हुआ वैध प्राधिकार पत्र है।

(ख) सविदा की संख्या और दिनांक।

(ग) सुपुर्दगी सारणी।

- (घ) उस भारतीय पत्तन का नाम जहा से निर्यात के लिए लदान प्रभावी किया जाना है।
- (ङ) उस में शामिल पण्य वस्तु एवं उसका मूल्य।
- (च) उस यूगोस्लाव पत्तन का नाम जिसके लिए निर्यात के लिए लदान बूक किया जाना है।
- (2) सम्बद्ध अभिकरण पहले आए तो पहली आ पाए के आधार पर सविदाएँ पजीकृत करेगी और निर्यातको एक पत्तन लाइसेंस प्राधिकारी को (उन मदों के मामले में जो निर्यात नियंत्रण के अधीन हैं) और सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को (उन मदों के मामले में जो कि निर्यात नियंत्रण के अधीन नहीं हैं और वे भी जो खुला सामान्य लाइसेंस स० 3 के अन्तर्गत शामिल की गई हैं) आवश्यक परामर्श जारी करेगी।
- (3) निर्यातक निर्यात नियंत्रण प्राधिकारियों को यूगोस्लाविया के लिए निर्यात के लिए नियंत्रित मदों के मामले में (खुला सामान्य लाइसेंस 3 के अन्तर्गत आने वाली को छोड़कर) पाए में लदान बिलों को भेजेगा और निर्यात नियंत्रण प्राधिकारी केवल नियंत्रित मदों के निर्यात के लिए ही स्वीकृति देगे और यह स्वीकृति लदान बिल (बिल को पास करने की तारीख से इन मदों के लिए लागू निर्यात नीति के अनुसार लदान बिलों पर पृष्ठांकन करके दी जाएगी। उन मदों के सम्बन्ध में लदान की स्वीकृति सीधे ही सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा सामान्य विधि से दे दी जाएगी जो निर्यात नियंत्रण के अधीन नहीं हैं और जो खुला सामान्य लाइसेंस स० 3 के अन्तर्गत आती है।
- (4) लदान, मूल्य, सविदा स० एक निर्यातक के नाम के ज्योरे सम्बद्ध अभिकरण द्वारा एक पक्षबारे में अर्थात् प्रत्येक माम की 15 तारीख और 30 तारीख तक वाणिज्य मन्त्रालय (श्री आर० एम० अभयंकर, अव्वर, सचिव), नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

3 निर्यातकों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे इसे नोट कर लें कि सम्बन्धित यूगोस्लाविया के लिए पाए में निर्यात के लिए सभी सविदाओं के लिए सम्बद्ध अभिकरण का पूर्व अनुमोदन प्राप्त होना चाहिए और यह उनकी सविदाओं के पजीकरण द्वारा होगा।

4. निर्यातकों को और आगे सलाह दी जाती है कि भारत से जैसे ही लदान प्रभावी होता है वे उसके बारे में सम्बद्ध अभिकरण को सूचना दें।

5 विभिन्न मदों के लिए उच्चतम सीमा की निगरानी उपर्युक्त सकेतित सम्बद्ध अभिकरण द्वारा की जाएगी और जैसे ही उच्चतम सीमा पूरी होती है वे सविदाओं का पजीकरण बन्द करेंगे।

ए० एस० निब,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणतन्त्र, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977